वार्षिक रिपोर्ट 2007-08
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय

279

29.1 विविध व्यापार के भाग ट की प्रविष्टि
संख्या 5 के अनुसार, भारत तथा विदेश दोनों में पर्यवेक्षीय स्तर पर अनुदेशकों, शिल्पकारों, तकनीशियनों तथा फोरमैनों के प्रशिक्षण की योजनाएं विविध विषय के तहत श्रम और रोजगार मंत्रालय को आवंटित की गई हैं।
29.2 रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय
समाज के विभिन्न वर्गों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की एक श्रृंखला प्रस्तुत करता है। समय से पूर्व स्कूल छोड़ने वालों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से उत्तीर्ण होने वालों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के अनुदेशकों, औद्योगिक कामगारों, तकनीशियनों, कनिष्ठ तथा मध्यम स्तर के कार्यपालकों, पर्यवेक्षकों/फोरमैनों, महिलाओं, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों, इत्यादि के लिए पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। 29.3यह प्रशिक्षण अभिमुख अनुसंधान भी करता है तथा प्रशिक्षुओं, अनुदेशकों के उपयोग हेतु अनुदेशात्मक मीडिया पैकेजों का विकास तथा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद् (एनसीवीटी) के साथ संबंधन इत्यादि प्रदान करने का कार्य भी करता है। इन कार्यक्रमों का सार निम्नलिखित अनुच्छेदों में दिया गया है।
महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम
29.4 भूमिका एवं सिंहावलोकन
देश के प्रजातांत्रिक ढांचे की परिधि में विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं का उत्थान, हमारे कानूनों, विकास नीतियों योजनाओं तथा कार्यक्रमों का उद्देश्य रहा है। इस प्रयास में प्रमुख एजेंसी होने के नाते रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय
जो देश में व्यावसायिक प्रशिक्षण का कार्य देखता
है, महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान करने का कार्य
भी करता है।
महिलाओं के व्यावसायिक प्रशिक्षण पर विशेष
ध्यान देने के लिए श्रम मंत्रालय में 1977 में

29 महिलाओं, अनुदेशकों, औद्योगिक जनशक्ति, फोरमैनों, पर्यवेक्षकों हेतु उच्च

प्रशिक्षण तथा केन्द्रीय संस्थानों में अनुदेशात्मक मीडिया पैकेजों का विकास

महिलाओं हेतु एक व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम
आरंभ किया गया था और रोजगार एवं प्रशिक्षण
महानिदेशालय के अंतर्गत एक पृथक महिला
प्रशिक्षण प्रकोष्ठ की स्थापना की गई। यह प्रकोष्ठ
देश में महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण से संबंधित दीर्घावधि नीतियों की रूपरेखा तैयार करने और उनके अनुसार कार्य करने के प्रति उत्तरदायी है। नव्बे के दशक में, इस प्रकोष्ठ के तत्वाधान में महिलाओं हेतु 100 नए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, 4 क्षेत्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना तथा नए व्यवसाय आरंभ करके 64 महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का सुदृढ़ीकरण किया गया। उद्योग की प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु समय समय पर विभिन्न व्यवसायों की पाठ्यचर्या भी संशोधित की जाती है।
संस्थागत नेटवर्क

29.5 महिलाओं हेतु कौशल प्रशिक्षण सुविधाओं के विस्तार के लिए केन्द्रीय एवं राज्य, दोनों क्षेत्रों के तहत संस्थानों का एक घरेलू नेटवर्क स्थापित किया गया है जिसका उद्देश्य विभिन्न समाजार्थिक स्तरों एवं विभिन्न आयु-समूह वाली महिलाओं हेतु रोजगार को प्रोत्साहन देना है।

केन्द्रीय क्षेत्र

29.6 केन्द्रीय क्षेत्र के तहत संस्थागत नेटवर्क में उच्च वेतन रोजगार तथा स्व-रोजगार सम्भाव्यता वाले कौशलों में विशिष्ट रूप से महिलाओं हेतु प्रशिक्षण सुविधाएँ प्रदान कराने वाले 11 संस्थानों को शामिल किया गया है। महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण निदेशालय के तहत स्थापित संस्थान निम्न हैः-
;पद्ध नोएडा में राष्ट्रीय महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान (एनवीटीआई) (1977) एवं क्षेत्रीय महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान (आरवीटीआई)ः- मुम्बई (1977), बंगलौर (1977), तिरूवनंतपुरम (1983), हिसार (1986), कोलकाता (1986), तुरा (1986), इलाहाबाद (1991), इन्दौर (1992), वडोदरा

वार्षिक रिपोर्ट 2007-08
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय

280

(1993) तथा जयपुर (1994) (कोष्ठक में दिए गए आंकड़े प्रतिष्ठान की स्थापना के वर्ष को दर्शाते हैं।)
29.7 राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान (एनवीटीआई) नौएडा में एवं क्षेत्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान (आरवीटीआई) बंगलौर, तिरूवनंतपुरम, जयपुर, इलाहाबाद, कोलकाता एवं तुरा में अपने स्थायी भवनों में कार्य कर रहे हैं। क्षेत्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान (आरवीटीआई), मुम्बई महाराष्ट्र राज्य सरकार द्वारा 1986 में उपलब्ध कराए गए स्थायी भवन से कार्य कर रहा है। हिसार, इंदौर एवं वड़ोदरा स्थित आरवीटीआई संबंधित राज्य सरकारों द्वारा उपलब्ध कराए गए अस्थायी परिसरों में कार्य कर रहें हैं। आर वी टी आई हिसार के स्थायी भवन के निर्माण हेतु हरियाणा राज्य सरकार ने पानीपत में लगभग 6.5 एकड़ भूमि आंवटित की है। इंदौर में ईएसआईसी अस्पताल के परिसर में क्षेत्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान, इंदौर के लिए लगभग 5 एकड़ का भूखंड किराए पर

लिया गया है। क्षेत्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान, वड़ोदरा के लिए गुजरात राज्य सरकार ने पहले ही भूमि आबंटित कर दी है। उपर्युä क्षेत्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों के अपने भवनों के निर्माण कार्यों को अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है और केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग ने निर्माण कार्य अपने हाथ में लिया है। 29.8 एन वी टी आई नोएडा तथा आर वी टी आई बंगलौर, मुम्बई, जयपुर, तिरूवनंतपुरम, कोलकाता, तुरा एवं इलाहबाद में छात्रावास सुविधाएं उपलब्ध हैं।

प्रशिक्षण गतिविधियां

केन्द्रीय क्षेत्र
29.9 वेतन/स्व-रोजगार सम्भाव्यता वाले क्षेत्रों में, वर्तमान में बुनियादी, गहन, गहन-पश्च कौशल पाठ्यक्रमों में नियमित कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। तालिका 29.1 एन वी टी आई/आर वी टी आई में स्वीकृत सीटों को दर्शाती है।

व्यावहारिक निरूपण-डेस्क टॉप पब्लिशिंग (डीटीपी) राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान (एनवीटीआई), नौएडा

वार्षिक रिपोर्ट 2007-08
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय

281

29.10 वर्तमान में सचिवालय पद्धति, इलैक्ट्रॉनिक्स, वास्तुविदीय सहायक, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्रामिंग सहायक, इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक, ड्रेस मेकिंग, कशीदाकारी, केश एवं त्वचा परिचर्या, फल एवं सब्जियों का परिरक्षण, डेस्क टॉप पब्लिशिंग तथा फैशन प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। तालिका 29.1 में व्यवसायों की संस्थानवार उपलब्धता दी गई है।
29.11 महिलाओं को उच्च कौशल एवं उन्नत- पश्च प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय/क्षेत्रीय महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान केवल महिलाओं हेतु विशिष्ट संस्थान हैं।
ÿ महिलाओं हेतु प्रशिक्षण सुविधाएं धीरे-धीरे बढ़ रही हैं तथा अक्टूबर 2007 की
स्थिति के अनुसार एन वी टी आई/आर
वी टी आई में 3344 के लगभग प्रशिक्षण सीटें उपलब्ध (इनमें नियमित तथा अतिरिä तदर्थ पाठ्यक्रमों की सीटें शामिल हैं) थीं।
नियमित पाठ्यक्रमों के अलावा ये संस्थान निम्न पाठ्यक्रम भी संचालित करते हैः
व अल्पकालिक/तदर्थ पाठयक्रम

व औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के अनुदेशकों हेतु शिक्षाशाó में प्रशिक्षण कार्यक्रम

व श्रृव्य-दृश्य सहाय्यों के तैयार करने/ उपयोग करने के लिए अल्पकालिक पाठ्यक्रम।

29.12एन वी टी आई/आर वी टी आई ने अपनी स्थापना से लेकर 31.03.2007 तक विभिन्न प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में लगभग 55,460 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया है। इसमें नियमित दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों के 32,081 प्रशिक्षु तथा अल्पकालिक पाठ्यक्रमों के 23,379 प्रशिक्षु शामिल हैं। इस वर्ष 2007-08 के दौरान, अäूबर 2007 तक लगभग 6120 महिलाओं को विभिन्न पाठ्यक्रमों मे प्रशिक्षित किया गया है; इसमें एम एस आफिस, वर्ड प्रोसैसिंग, प्रसनल ग्रूमिंग, घरेलू बिजली उपकरणों की मरम्मत/अनुरक्षण, कशीदाकारी, ड्रेस मेकिंग इत्यादि क्षेत्रों में नियमित दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों में 3350 तथा अल्पकालिक/तदर्थ पाठ्यक्रमों में 2770 प्रशिक्षुओं
का प्रशिक्षण शामिल हैं। अक्टूबर 2007 की स्थिति के अनुसार 3472 प्रशिक्षण सीटों की तुलना में 3754 प्रशिक्षु हाजिरी रजिस्टर में थे। प्रारंभ से अब तक प्रशिक्षित किए गए प्रशिक्षुओं की संख्या चार्ट-प् पर देखी जा सकती है।

¯ÖÏ×¿Ö×•ÖŸÖ ¯ÖÏ×¿Ö•Ö•ÖÖÙ£ÖµÖÖë •úß ÃÖÓ•µÖÖ (†Ö¸Óü³Ö ÃÖê)

0

10000

20000

30000

40000

50000

60000

¯ÖÏ×¿Ö×•ÖŸÖ ¯ÖÏ×¿Ö•Ö•ÖÖ£Öá

¯ÖÏ×¿Ö×•ÖŸÖ ¯ÖÏ×¿Ö•Ö•ÖÖ£Öá 84 329 3110 5932 10932 14480 16265 17462 21179 22500 26925 32927 37376 43336 49275 55460

77-78 80-81 85-86 89-90 92-93 95-96 96-97 97-98 98-99 99-00 2001-02 2002-03 2003-04 2004-05 2005-06 2006-07

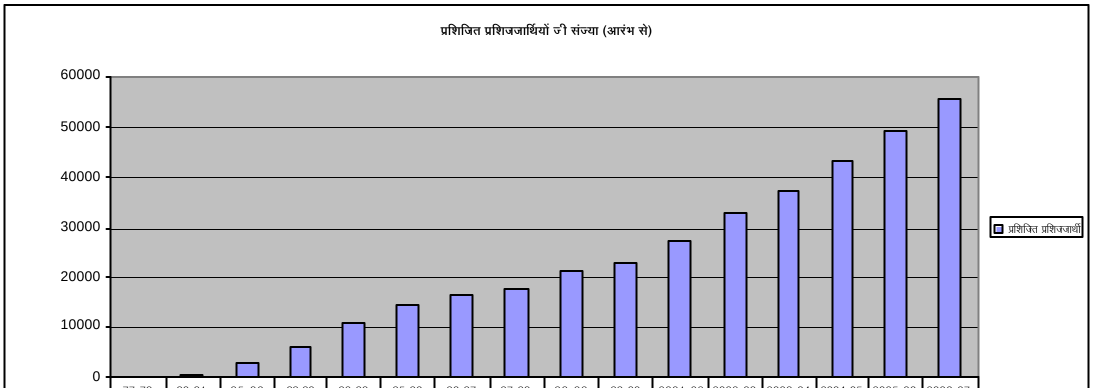

वार्षिक रिपोर्ट 2007-08
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय

282

नए प्रयास

29.13 उपलब्ध अवसंरचना के साथ महिलाओं को और प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करने के लिए अनुबंधित संकाय की सहायता से अतिरिä तदर्थ प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इससे एनवीटीआई/आरवीटीआई; में प्रशिक्षण क्षमता 2068 प्रशिक्षण सीटों से बढ़कर 3344 प्रशिक्षण सीटें हो गई है। उपकरणों का उन्नयन करके वर्तमान प्रशिक्षण-तंत्र को विविधीकृत, सुदृढ़ एवं आधुनिक बनाने के सतत प्रयास भी किए गए हैं। अब संस्थान बेहतर औद्योगिक सिलाई मशीनोंए उन्नत कम्प्यूटरों से बेहतर रूप से लैस हैं। इसके अतिरिä, नौएडा में राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान को उत्कृष्ट केन्द्र के रूप में परिवर्तित किया जा रहा है और शीघ्र ही इसके पास एक उत्कृष्ट प्रशिक्षण से लैस अनुभाग होगा।
संस्थान प्रबंधन समितियों के माध्यम से संस्थानों के कार्यकरण में ‘‘प्रयोäा उद्योग’’ को शामिल करने पर अधिक बल दिया जा रहा है। इससे उद्योग की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को समझ्ाने में सहायता मिलती है और उद्योग संस्थानों को चलाने में सहायता देने को तैयार होने से प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है। प्रशिक्षणार्थियों के स्तर में सुधार के लिए बोलचाल की अंग्रेजी और व्यfäत्व विकास की प्रशिक्षण कक्षाएं चलाई जा रही हैं। प्रशिक्षणार्थियों के कल्याण के लिए योग कक्षाएं और तनावमुfä कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

राज्य क्षेत्र के अंतर्गत प्रशिक्षण संस्थान

29.14 राज्य/संघ शासित सरकारों के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों/सामान्य औद्योगिक प्रशिक्षण

संस्थानों के महिला विंगों के नेटवर्क के माध्यम से महिलाओं हेतु शिल्पकार स्तरीय (बुनियादी पाठ्यक्रम) व्यावसायिक प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों/विंगों आदि की संख्या व उनमें संस्वीकृत प्रशिक्षण सीटों का ब्यौरा संबंधित राज्य सरकारों से एकत्रित किया जाता है तथा रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय के महिला प्रशिक्षण निदेशालय द्वारा संकलित किया जाता है (ब्यौरा तालिका 29.2 पर दिया गया है)। लगभग 1152 महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान तथा सामान्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में महिला विंग, 264 सरकारी महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, 95 निजी महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में 685 महिला विंग, निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में 108 महिला विंग हैं जिनमें कुल 49,336 प्रशिक्षण सीटें हैं।

29.15 शिल्पकार प्रशिक्षण में, महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद् (एनसीवीटी) ने सामान्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में महिलाओं हेतु राज्य सरकारों को 25-30 प्रतिशत तक सीटों के आरक्षण की सिफारिश की है। महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (डब्लयू आई टी आई)/सामान्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में महिला विंगों द्वारा शिल्पकार प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत बुनियादी कौशल पाठ्यक्रमों में राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद् द्वारा अनुमोदित 60 इंजीनियरी एवं 50 गैर-इंजीनियरी व्यवसायों के चुनिंदा व्यवसायों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

तालिजा-29.1

राष्ट्रीय/जेत्रीय व्यावसायिज प्रशिजज संस्था-ों में महिलाओं हेतु संस्वीजृत प्रशिजज सीटों जा ब्यौरा
(अक्टूबर, 2007 जी स्थिति जे अ-ुसार)

क्र. सं.	संस्था-ा	रा. व्या. प्र. सं.	जे. व्या. प्र. सं.	जे. व्या. प्र. सं.	जे. व्या. प्र. सं.	जे. व्या. प्र. सं.	जे. व्या. प्र. सं.	जे. व्या. प्र. सं.	जे. व्या. प्र. सं.	जे. व्या. प्र. सं.	जे. व्या. प्र. सं.	जे. व्या. प्र. सं.	योज
	संस्वीजृत पाठ्यक्रम	-ोएडा	मुम्बई	बंजलौर	तिरुव-ा-तपुरम	हिसार	जोलजाता	तुरा	इलाहाबाद	इंदौर	वड़ोदरा	जयपुर	
बु-ियादी पाठ्यक्रम													
1	सचिवालय पद्धति	32	16	32	16	16	16	16	16	16	16	16	208
2	जेश एवं त्वचा परिचर्या	32	16			32	16	32	32	16	32	32	240
3	ड्रेस मेजिंज		16	32	16		16	32	64	32	16	32	256
4	फल एवं सब्जी परिरजज					16							16
5	इलैक्ट्रानिक्स	32	32	80	64	32			32	32	16		320
6	जोपा	80	40	40	60	20	40	40	40		20	40	420
7	इस्ट्रूमेंट मैजे-िज			32									32
8	वास्तुविदीय -ाक्शा-ावीस	48	32	64	64		32			32		64	336
9	डी टी पी	16	16	16	32				32		16	16	144
10	आशु. (हि-दी)					16			32	16		16	80
11	फैश-ा प्रौद्योजिजी	16		16					32			16	80
	योज	**256**	**168**	**312**	**252**	**132**	**120**	**120**	**280**	**144**	**116**	**232**	**2132**
उच्च जौशल													
1	सचिवालय पद्धति	20	20	20	20				20	20	20	20	160
2	सौंदर्य परिचर्या एवं जेश सज्जा	40					20		40		20	40	160
3	ड्रेस मेजिंज	120	60	20	20	40	20	20	40	20	20	40	420
4	जशीदाजारी	40											40
5	इलैक्ट्रॉनिक्स	20	20	20	20				20	20	20		140
6	वास्तुविदीय सहायज	20	20	40	40		20			20		20	180
7	सचिवालय पद्धति(हि-दी)								20			20	40
	योज	**260**	**120**	**100**	**100**	**40**	**60**	**20**	**140**	**80**	**80**	**140**	**1140**
उन्नत पश्च													
1	पी.ओ.टी.	40	20	20	20				20	20	20	20	180
2	व्यापार सेवाएं	20											20
	योज	60	20	20	20				20	20	20	20	200
अल्पावधि	आवश्यजता आधारित पाठ्यक्रम												
सर्व योज		**576**	**308**	**432**	**372**	**172**	**180**	**140**	**440**	**244**	**216**	**392**	**3472**

सामा-य औधोजिज प्रशिजज संस्था-नों/-निजी महिला औधोजिज प्रशिजज संस्था-नों में महिलाओं हेतु महिला औद्योजिज प्रशिजज संस्था-नों तथा विंजों ज1 राज्यवार वितरज

(अक्तूबर 2007 जी स्थिति जे अ-नुसार)

जेत्र	सरजारी		-निजी		जुल	जुल सीटें
	म.औ.प्र.सं.	म.विंज	म.औ.प्र.सं.	म.विंज		
उत्तरी जेत्र						
दिल्ली**	3	7	29	2	41	2760
हिमाचल प्रदेश	16	शू-य	शू-य	शू-य	16	1140
राजस्था-न	8	5	4	शू-य	17	928
चंड़ीजढ़	1	शू-य	शू-य	शू-य	1	280
उत्तर प्रदेश	11	48	8	शू-य	67	3852
उत्तरांचल	4	5	शू-य	शू-य	9	560
हरियाजा	31	शू-य	8	शू-य	39	2460
पंजाब	38	32	शू-य	शू-य	70	4564
जम्मू ज श्मीर**	10	44	शू-य	शू-य	54	1246
जुल	**122**	**141**	**49**	**2**	**314**	**17790**
दजिज जेत्र						
ज-र्नाटज	17	शू-य	11	शू-य	28	2260
जेरल	8	शू-य	1	शू-य	9	1334
तमिल-नाडु	12	3	12	शू-य	27	2568
आंध्रप्रदेश**	23	10	4	17	54	3980
पांडिचेरी	2	1	शू-य	शू-य	3	232
लजदीप	शू-य	0	शू-य	शू-य	0	0
जुल	**62**	**14**	**28**	**17**	**121**	**10374**
पूर्वी जेत्र						
-नाजालैंड	1	0	शू-य	शू-य	1	112
मेघालय	1	शू-य	शू-य	शू-य	1	52
बिहार**	7	शू-य	शू-य	शू-य	7	432
झारजंड	6	शू-य	शू-य	शू-य	6	544
पश्चिम बंजाल	4	12	1	शू-य	17	640
उडीसा	10	शू-य	5	शू-य	15	928
असम	5	5	1	शू-य	11	864
मजिपुर**	1	7	शू-य	शू-य	8	192
मिजोरम**	शू-य	शू-य	शू-य	शू-य	0	0
त्रिपुरा	1	शू-य	शू-य	शू-य	1	116
अंडमा-न -निजोबर	शू-य	शू-य	शू-य	शू-य	0	0
अरूजाचल प्रदेश	1	शू-य	शू-य	शू-य	1	80
सिक्जिम	शू-य	शू-य	शू-य	शू-य	0	0
जुल	**37**	**24**	**7**	**0**	**68**	**3960**
पश्चिम जेत्र						
जुजरात	6	24	3	शू-य	33	2160
मध्यप्रदेश	14	शू-य	शू-य	शू-य	14	846
छत्तीसजढ़	8	5	शू-य	शू-य	13	488
महाराष्ट्र	15	476	8	89	588	13702
दादरा व -नजर हवेली	शू-य	1	शू-य	शू-य	1	16
जोवा	शू-य	शू-य	शू-य	शू-य	0	0
दम-न व दीव	शू-य	शू-य	शू-य	शू-य	0	0
जुल	**43**	**506**	**11**	**89**	**649**	**17212**
सर्व योज	**264**	**685**	**95**	**108**	**1152**	**49336**

** आंजड़े अक्तूबर 2006 से संबंधित हैं।

वार्षिक रिपोर्ट 2007-08
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय

285

शिल्प अनुदेशक प्रशिक्षण

29.16 शिल्प अनुदेशकों के प्रशिक्षण का उत्तरदायित्व श्रम मंत्रालय के रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीईटी) का है। शिल्प अनुदेशकों की प्रशिक्षण योजना पर शिल्पकार प्रशिक्षण योजना के आरम्भ से कार्य चालू है। प्रथम शिल्प अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान 1948 में स्थापित किया गया था तथा बाद में 5 और संस्थान यथा; केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान (अब उच्च प्रशिक्षण संस्थान के नाम से जाना जाता है) लुधियाना, कानपुर, हावड़ा, मुम्बई तथा हैदराबाद स्थित उच्च प्रशिक्षण संस्थान, रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय द्वारा 1960 में स्थापित किए गए।

29.17 शिल्प अनुदेशक प्रशिक्षण का उद्देश्य अनुदेशकों को औद्योगिक कौशलों में प्रशिक्षण देने की तकनीकों में प्रशिक्षित करना है जिससे कि वे उद्योगों के लिए अर्धकुशल/कुशल जनशfä को प्रशिक्षित कर सकें। कार्यक्रम के तहत राज्य

सरकारों के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) तथा शिक्षु अधिनियम के अंतर्गत उद्योगों द्वारा स्थापित प्रशिक्षण केंद्रों के अनुदेशकों को 27 व्यवसायों में प्रशिक्षण दिया जाता है। ऊपर उल्लिखित 6 संस्थानों में चल रहे व्यवसायों में सीटों की कुल क्षमता 1050 है। 29.18 उपर्युä संस्थानों में निम्न प्रकार के पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैः-
अ कौशल विकास तथा शिक्षण सिद्धांत,
दोनों में गहन प्रशिक्षण देने के लिए
एक वर्षीय पाठ्यक्रम।

अ अनुदेशकों के ज्ञान एवं कौशल को
अद्यतन बनाने तथा उनके उन्नयन और
उन्हें उद्योगों में हो रहे प्रौद्योगिकीय
विकास से अवगत कराने के लिए
पुनश्चर्या पाठ्यक्रम।

अ निम्नलिखित तीन मॉडयूल्स में प्रशिक्षण
का मॉडयूलर पैटर्न भी प्रदान किया
जाता है।

प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण, व्यावहारिक निरूपण संबंद्ध व्यवसाय (टर्निंग), केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान, चेन्नई

वार्षिक रिपोर्ट 2007-08
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय

286

उच्च व्यावसायिक प्रशिक्षण

29.19 कार्यरत औद्योगिक कामगारों के कौशल उन्नयन एवं उसे अद्यतन बनाने के लिए, एक उच्च व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना (एवीटीएस) 1977 से चालू है। यह योजना संयुä राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी)/अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आई एल ओ) के सहयोग से रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीईटी), श्रम मंत्रालय द्वारा 1977 में डीजीईटी के अधीन 6 उच्च प्रशिक्षण संस्थानों (एटीआई) तथा 15 राज्य सरकारों के 16 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटी आई) में आरंभ की गई थी। इस योजना का उद्देश्य कार्य कर रहे औद्योगिक कामगारों को उनके कार्यक्षेत्र में विशेषज्ञ बनाने के लिए कौशलों का उन्नयन करना एवं उन्हें अद्यतन बनाना है।

29.20योजना के अंतर्गत, चुनिंदा कौशल क्षेत्रों में एक से छह सप्ताह तक की अल्पावधि के माड्यूलर पाठ्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। औद्योगिक प्रतिष्ठानों की विशेष आवश्यकताओं के अनुरूप टेलरमेड पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं।

” छः उच्च प्रशिक्षण संस्थानों (एटीआई)/ केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान (सी टी आई) में चलाए जा रहे उच्च कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तालिका 30.3 में दर्शाए गए हैं।

” सितम्बर 2006 तक रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय के अंतर्गत 6 उच्च प्रशिक्षण

मॉड्यूल का नाम अवधि संस्थान
व्यवसाय प्रौद्योगिकी 6 माह
प्रशिक्षण कार्यविधि
;शिक्षण के सिद्धान्तद्ध

3 माह

इंजीनियरी प्रौद्योगिकी 3 माह

एटीआईए हैदराबाद व
सीटीआईए चेन्नई

संस्थानों तथा केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान में 1,18,493 से अधिक औद्योगिक कामगारों/तकनीशियनों ने प्रशिक्षण सुविधाओं का लाभ उठाया है।

29.21 उद्योग की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए वर्ष 1989-98 की अवधि के दौरान विश्व बैंक से वित्तीय सहायता प्राप्त व्यावसायिक प्रशिक्षण परियोजना के अंतर्गत विभिन्न राज्य/ संघ शासित प्रदेश सरकारों के 30 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में उच्च कौशल प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार किया गया है। इस परियोजना के अंतर्गतए 6 उच्च प्रशिक्षण संस्थानों में अतिरिä क्षेत्रों में प्रशिक्षण सुविधाओं का सृजन किया गया तथा विद्यमान प्रशिक्षण सुविधाओं का भी सुदृढ़ीकरण किया गया।

29.22 उच्च तकनीकी क्षेत्रों में, प्रशिक्षित कर्मकारों की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के उद्देश्य से संयुä राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी)/अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के सहयोग से उच्च प्रशिक्षण संस्थानों/सीटीआई चेन्नई, मुम्बई एवं कानपुर में एनसी/सीएनसी प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना की गई है। इन केन्द्रों में, एनसी/सीएनसी मशीनों पर ऑपरेटरों, प्रोग्रामरों एवं तकनीशियनों हेतु प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

29.23 स्वीडिश अंतराष्ट्रीय विकास प्राधिकरण (सीडा) आई एल ओ की सहायता से इलैक्ट्रॉनिक

वार्षिक रिपोर्ट 2007-08
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय

287

एवं प्रौसेस इंस्ट्रूमेंटेंशन के क्षेत्र में अल्पावधि तथा दीर्धावधि दोनों प्रकार के पाठ्यक्रमों का आयोजन कर उद्योगों/संगठनों की प्रशिक्षण आवश्यकता की पूर्ति करने के लिए 1974 में हैदराबाद में उच्च प्रशिक्षण संस्थान (एटीआई- ईपीआई) की स्थापना की गई थी। इस संस्थान के प्रशिक्षण संबंधी कार्यकलापों को अब पाँच प्रमुख विंगों के तहत समूहबद्ध किया गया हैः.

(1) उपभोäा इलैक्ट्रॉनिक्स विंग-आडियो रेडियो, रंगीन टी.वी., सी सी टी वी, डिजिटल कैमरा एवं केबल टी.वी. उपकरण, कार्डलैस फोन एवं सेल फोन के क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करता है।

(2) औद्योगिक इलैक्ट्रॉनिक्स विंग-पावर इलैक्ट्रॉनिक्स, डिजिटल एवं लिनीयर आई सी एस, माइक्रोप्रोसेसर, माइक्रो कंट्रोलर
एवं पी एल सी एस के क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करता है।

(3) सूचना प्रौद्योगिकी विंग. कम्प्यूटर हार्डवेयरए साफ्टवेयर एवं नेटवर्किंग में प्रशिक्षण प्रदान करता है।

(4) मैडिकल इलैक्ट्रॉनिक्स विंग-परिष्कृत

आधुनिक चिकित्सा इलैक्ट्रॉनिक्स उपकरण के समस्त क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करता है।

(5) प्रोसेस इंस्ट्रूमेंटेशन विंग-औद्योगिक सैंसरों, प्रोसेस कंट्रोल, माइक्रोप्रोसेसरों, प्रोसेस इंडस्ट्रीज में पी एल सी में प्रशिक्षण प्रदान करता है।

29.24 देहरादून स्थित दूसरे एटीआई.ईपीआई को उपभोäा इलैक्ट्रॉनिक्स, औद्योगिक इलैक्ट्रॉनिक्स, मैडिकल इलैक्ट्रॉनिक्स एवं प्रोसेस इंस्टूमेंटेशन के क्षेत्रों में उत्तर क्षेत्र के औद्योगिक एवं अन्य संगठनों की माँग को पूरा करने के लिए स्थापित किया गया। संस्थान उपभोäा इलैक्ट्रॉनिक्स, औद्योगिक इलैक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में अल्पावधि एवं दीर्घावधि पाठ्यक्रम तथा टेलर मेड पाठ्यक्रम चलाता है। आरंभ से दोनों संस्थानों में कुल 3175 अल्पावधि एवं दीर्घावधि पाठ्यक्रम आयोजित किए गए तथा अäूबरए 2007 तक 36,403 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया। वर्ष 2007-08 के दौरान, इन संस्थानों में पहले ही 148 पाठ्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं एवं इनमें 1521 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया है।

वार्षिक रिपोर्ट 2007-08
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय

288

पर्यवेक्षी प्रशिक्षण
29.25 रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय ने पर्यवेक्षी कौशलों में प्रौद्योगिकीय एवं व्यवहारगत उन्नयन हेतु बंगलौर तथा जमशेदपुर में दो फोरमैन प्रशिक्षण संस्थानों (एफ टी आई) की स्थापना की है। इनकी स्थापना उद्योग में कार्यरत पर्यवेक्षकों/प्रबंधकों में बेहतर गुणवत्ता तथा उत्पादकता हेतु जागरूकता, समस्या को सुलझ्ााने की क्षमता, लागत में कटौती करने

तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग की जानकारी के उद्देश्य से की गई थी।
29.26 संस्थान, फोरमैनशिप में डिप्लोमा तथा पोस्ट डिप्लोमा प्रदान करने के लिए नियमित पाठ्यक्रम आयोजित करने के अतिरिä, उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप अल्पावधि तथा टेलर-मेड पाठ्यक्रम भी आयोजित करते हैं।
बदलते हुए प्रोद्योगिकीय परिदृश्य के अनुरूप
सीएडी, सीएनसी प्रौद्योगिकी, वैल्डिंग,

तालिका 29.3
छः उच्च प्रशिक्षण संस्थानों में उच्चकौशल क्षेत्रों में प्रशिक्षण
क्रण् संण् व्यवसायों के नाम उच्च प्रशिक्षण संस्थान
चेन्नई हावड़ा हैदराबाद कानपुर लुधियाना मुम्बई
1ण् उन्नत औजारएवं डाई
मेकिंग

* * - * * *

2ण् उन्नत वैल्डिंग ’ ’ ’ ’ ’ ’
3ण् उन्नत प्रशीतनएवं
वातानुकूलन

- * * - * -

4ण् इलैक्ट्रिकल अनुरक्षण ’ ’ ’ ’ ’ ’
5ण् इलैक्ट्रॉनिक्स अनुरक्षण ’ ’ ’ ’ ’ ’
6ण् हीट इंजन ’ ’ ’ ’ ’ ’
7ण् हाइड्रॉलिक्सएवं न्यूमेटिक ’ ’ ’ ’ ’ ’
8ण् इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी में
प्रवेश

- - * - - -

9ण् औद्योगिक रसायन विज्ञान ’ . . . . ’
10ण् मशीन टूल अनुरक्षण ’ ’ ’ ’ ’ ’
11ण् सामग्री परीक्षणध्निरीक्षण ’ ’ . . ’ .
12ण् मेट्रॉलाजीएवं निरीक्षण ’ ’ ’ ’ ’ ’
13ण् माइक्रो कम्प्यूटरध् इंडस्ट्रियल
कंट्रोल्स

* * * * - *

14ण् प्रोसेस कंट्रोलस इंस्ट्रूमेंटेशन ’ . . . . ’
15ण् उत्पादन प्रौद्योगिकी ’ . . . . .
16ण् टूल डिजाइन ’ ’ . ’ . ’
’ पाठ्यक्रम की उपलब्धता को दर्शाता है।
पाठ्यक्रम की अवधि 1 से 6 सप्ताह है। अधिकांश पाठ्यक्रमों में अंतर्ग्रहण क्षमता प्रति बैच 10 से 12 प्रशिक्षुओं की है।

वार्षिक रिपोर्ट 2007-08
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय

289

bathfu;Çjx bLVªwesaVs’ku rFkk esVªkWykth] U;wesfVDl] bySDVªks&U;wesfVDl bR;kfn {ks=ksa esa izf’k{k.k lqfoèkkvksa dk mUUk;u fd;k x;k gSA 29-27 o”kZ 2007&08 ds nkSjku bu laLFkkuksa esa 948 ¼väwcj 2007 rd½ O;fä;ksa dks izf’kf{kr fd;k x;kA bu laLFkkuksa us 2965 ikBÓØe vk;ksftr fd, rFkk 40]660 QksjeSuksa@i;Zos{kdksa dks vYikofèk ,oa nh?kkZofèk ikBÓØeksa esa izf’kf{kr fd;kA pyk, tk jgs ikBÓØeksa dh izos’k vgZrk] ‘kqYd lajpuk] okÆ”kd dSys.Mj bR;kfn dh foLr`r tkudkjh jkstxkj ,oa izf’k{k.k egkfuns’kky; dh oSclkbV www.dget.nic.in ij miyCèk gSA

केन्द्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, कोलकाता
29.28 संस्थान की स्थापना, कार्यकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने, व्यावसायिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में अनुप्रयुä अनुसंधान करने तथा अनुदेशात्मक सामग्री एवं प्रक्षेपित/गैर- प्रक्षेपित प्रशिक्षण संबंधी सहायक सामग्री विकसित एवं प्रचारित करने के लिए की गई है।
29.29 संस्थान, प्रशिक्षकों और व्यावसायिक प्रशिक्षण की आयोजना, निष्पादन, नियंत्रण तथा मूल्यांकन में लगे हुए कनिष्ठ/वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है । संस्थान, गुणात्मक सुधार लाने तथा राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रणाली के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं पर समस्याभिमुख अनुसंधान अध्ययनों का आयोजन करता है ।
29.30 विकलांगों तथा समाज के अन्य कमजोर वर्गों के लिए अपेक्षित प्रशिक्षण का निर्धारण करने जैसे सम्बद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान अध्ययन भी किए जाते हैं। संस्थान के अनुसंधान विंग के तहत एक प्रमुख कार्य-कलाप, उद्योग से प्राप्त

फीड बैक के आधार पर नए व्यवसायों की पाठ्यचर्या के लिए अनुसंधान एवं विकास तथा विद्यमान व्यवसायों में संशोधन/उन्हें अद्यतन करने से संबंधित है। संस्थान शिल्प अनुदेशक प्रशिक्षण के लिए अनुदेशात्मक सामग्री का विकास भी करता है। यह शिक्षा-शाó संबंधी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षण संबंधी सहायक सामग्री (प्रक्षेपित एवं गैर-प्रक्षेपित) का विकास करता है।
29.31 केन्द्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, कोलकाता ने अäूबर, 2007 तक 17677 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया। आरंभ से सी-स्टारी ने 363 पाठ्यचर्याओं को विकसित एवं संशोधित किया तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं को शामिल करते हुए 161 परियोजनाओं को पूरा किया। शिक्षाशाó के पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह प्रक्षेपित तथा गैर-प्रक्षेपित दोनों के लिए शिक्षण संबंधी सहायक साम्रगी को विकसित करता है। वर्तमान वर्ष के दौरान अäूबर 2007-08 तक के कार्य-कलाप ।
आयोजित किए गए कार्यक्रमों की संख्या -19 प्रशिक्षित किए गए प्रतिभागियों की संख्या -269 पूर्ण हुई अनुसंधान परियोजनाएं -04 मॉड्लस का उत्पादन -12

राष्ट्रीय अनुदेशात्मक मीडिया संस्थान (निमी)-चेन्नई प्रस्तावना

29.32 संस्थान की स्थापना दिसम्बर 1986 में जर्मन सरकार की सहायता से की गई। संस्थान को 1 अप्रैल, 1999 से स्वायत्तशासी बनाया गया। संस्थान पूर्व में ‘‘केन्द्रीय अनुदेशात्मक मीडिया संस्थान’’ (सिमी) के नाम से जाना जाता था। माननीय केन्द्रीय श्रम मंत्री की अध्यक्षता में 29.06.2003 को हुई शासी परिषद की 5वीं बैठक में

वार्षिक रिपोर्ट 2007-08
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय

290

की गई सिफारिशों के अनुसार संस्थान के राष्ट्रीय स्वरूप को परिलक्षित करने के लिए इसका नाम बदलकर ‘‘राष्ट्रीय अनुदेशात्मक मीडिया संस्थान’’ (निमी) रख दिया गया है। संस्थान की स्थापना का मुख्य उद्देश्य शिल्पकार एवं शिक्षुता प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तहत प्रदान किए जा रहे सांस्थानिक प्रशिक्षण के स्तर में समग्र सुधार सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षुओं एवं प्रशिक्षकों के उपयोग के लिए विभिन्न व्यवसायों में अनुदेशात्मक सामग्री उपलब्ध कराना है। संस्थान के वर्तमान कार्यकलापों में व्यवसाय सिद्धांत, व्यवसाय व्यवहार पर पुस्तकें, परीक्षा/कार्य, अनुदेशक मार्गदर्शिका, दृश्य सहाय्य, कार्यशाला गणना एवं विज्ञान पर पुस्तकें, संदर्भ पाठ्यपुस्तकें, तालिका पुस्तिकाएं इत्यादि जैसी सहायक सामग्री वाले अनुदेशात्मक मीडिया पैकेजों (आई एम पी) का विकास, उत्पादन एवं प्रचार-प्रसार, शिल्पकार प्रशिक्षुओं के लिए अखिल भारतीय व्यवसाय परीक्षा आयोजित करने के लिए प्रश्न बैंकों का विकास तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए अनुदेशकों के लिए ‘‘जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम’’ तथा ‘‘गुणक प्रशिक्षण कार्यक्रम’’ का आयोजन करना शामिल है।

उपलब्धियां: नवम्बर 2007 तक
Û 21 व्यवसायें के अनुदेशात्मक मीडिया पैकेज अंग्रेजी में विकसित किए जा चुके हैं जिनमें से 21 व्यवसायों को शामिल करते हुए 172

पुस्तकें प्रकाशित की जा चुकी हैं। सहायक विषयो के लिए पुस्तकें तथा सहायक सामग्री भी प्रकाशित की गई है।
Û 13 व्यवसायों के अनुदेशात्मक मीडिया पैकेजों का हिन्दी में अनुवाद किया जा चुका हैए जिनकी 65 पुस्तकें प्रकाशित की जा चुकी हैं।
Û 10 व्यवसायों के अनुदेशात्मक मीडिया पैकेजों का तमिल में अनुवाद किया जा चुका है जिनकी 51 पुस्तकें प्रकाशित की जा चुकी हैं।
Û 3 व्यवसायों के अनुदेशात्मक मीडिया पैकेजों का तेलुगु में अनुवाद किया जा चुका है व इनकी 3 पुस्तकें प्रकाशित की गई हैं।
Û 6 व्यवसायों के अनुदेशात्मक मीडिया पैकेजों का कन्नड़ में अनुवाद किया जा चुका है व इनकी 24 पुस्तकें प्रकाशित की गई हैं।
Û 5 व्यवसायों के अनुदेशात्मक मीडिया पैकेजों का बंगला भाषा में अनुवाद किया जा चुका है व इनकी 6 पुस्तकें प्रकाशित की गई हैं।
Û 8 व्यवसायों के अनुदेशात्मक मीडिया पैकेजों का मराठी में अनुवाद किया गया है व इनकी 20 पुस्तकें प्रकाशित की गई हैं। Ûएक व्यवसाय के अनुदेशात्मक मीडिया पैकेजों का उड़िया में अनुवाद किया गया है व इसकी एक पुस्तक प्रकाशित की गई है।

******